मूल्य 1 रु.
वर्षः 13 - अंक : 236, मुंबई, बुधवार, 8 नवंबर, 2023 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

॥ शुभ लाभ ॥
MIX MITHAI

मोतीचूर लड्डू
बदाम बर्फी
काजू कतली
मलाई पेड़े
काजू रोल
रसगुल्ले
Order Now 98208 99501
ONLINE SHOP: www.mmmithaiwala.com
MM MITHAIWALA
Malad (W), Tel. : 288 99 501.

परे ने टिकट जांच अभियानों में 94.51 करोड़ रुपये जुर्माना वसूला

पश्चिम रेलवे के जनसम्पर्क विभाग से जारी विज्ञप्ति के अनुसार अक्टूबर, 2023 के दौरान बिना बुक किए सामान के मामलों सहित 2.17 लाख बिना टिकट और अनियमित यात्रियों का पता लगाकर 13.32 करोड़ रुपये की राशि वसूल की गई

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। पश्चिम रेलवे पर मुंबई उपनगरीय लोकल ट्रेनों, मेल और एक्सप्रेस के साथ-साथ पैसेंजर ट्रेनों और हॉलिडे स्पेशल ट्रेनों में बिना टिकट तथा अनियमित यात्रियों पर अंकुश लगाने के लिए टिकट जांच अभियान चलाए जा रहे हैं। अप्रैल से अक्टूबर 2023 तक चलाए गए कई टिकट जांच अभियानों में 94.51 करोड़ रुपये की जुर्माना राशि प्राप्ति हुई है। इसमें मुंबई उपनगरीय खंड से प्राप्त 24.38 करोड़ रुपये भी शामिल है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

दिल्ली के बाद मुंबई में भी जहरीली हवाओं का प्रकोप

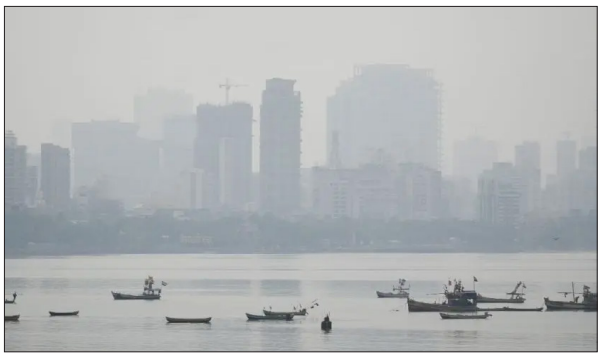

खुले में सांस लेना 1,000 सिगरेट पीने के बराबर

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। देश की राजधानी दिल्ली और इससे सटे इलाके प्रदूषण की वजह से सुर्खियों में बने हुए हैं, जबकि आर्थिक राजधानी मुंबई भी प्रदूषण से अछूता नहीं है। मायानगरी मुंबई में स्थितियां इतनी खराब हैं कि रविवार को न केवल यह दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में से एक था, बल्कि एक अस्पताल को सांस से जुटी परेशानियों के मरीजों की देखभाल के लिए एक स्पेशल आईसीयू यूनिट बनाना पड़ा। हालांकि मुंबई समुद्र के किनारे बसे होने और तीन तरफ से पानी से घिरे होने की वजह से यहां की ज्यादातर प्रदूषित हवाएं उड़ जाती हैं। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

6 महीने में मरीजों की संख्या हुई डबल

एनडीटीवी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, सेंट्रल मुंबई के परेल में ग्लोबल हॉस्पिटल्स ने सांस से जुड़ी समस्याओं वाले रोगियों के बचाव के लिए एक स्पेशल आईसीयू यूनिट वार्ड बनाया है। हास्पिटल ने एनडीटीवी को बताया कि बीते 6 महीनों में सांस के रोगियों के संख्या दो गुनी हुई है। इसके अलावा उन्होंने सरकार से अधिकृत एक तटीय रोड़ निर्माण प्रोजेक्ट का भी दौरा किया, जहां उन्होंने पाया कि प्रदूषण को कम करने के उद्देश्य से बनाये गए अपने ही नियमों की मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ही धज्जियां उड़ा रहा है।

भुजबल को मिली जान से मारने की धमकी सुरक्षा बढ़ाई गई

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। ओबीसी नेता और मंत्री छगन भुजबल को किसी अज्ञात व्यक्ति ने जान से मारने की धमकी दी है। इसके बाद मुंबई पुलिस ने छगन भुजबल के आवास पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। धमकी मामले की जांच पुलिस कर रही है। दरअसल, मराठा आरक्षण को लेकर इस समय महाराष्ट्र का राजनीतिक माहौल गरमाया हुआ है। मराठा नेता मनोज जारांगे पाटिल ने सभी मराठा समाज के लोगों को कुनबी जाति का प्रमाणपत्र देने की मांग की है। इसके बाद राज्य सरकार ने भी निजामकालीन दस्तावेज देखकर मराठा समाज के लोगों को कुनबी जाति का प्रमाणपत्र देने की घोषणा की है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

मराठा आरक्षण पर सरकार में दो फाड़

शिंदे और अजित गुट आमने-सामने

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। मराठा आरक्षण को लेकर महाराष्ट्र की सियासत अब और गरमा गई है। इसको लेकर अब शिंदे गुट और अजित गुट आमने-सामने आ गए हैं। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और अजीत पवार गुट के नेता छगन भुजबल ने ओबीसी वर्ग के तहत मराठों को आरक्षण देने का विरोध किया। उन्होंने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि ओबीसी के साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं करेंगे। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

ओबीसी को नहीं बनाया जा रहा निशाना

भुजबल साहब को भ्रम पैदा नहीं करना चाहिए। जो बात होने वाली नहीं है, उसे कहना और यह दिखावा करना कि मैंने उसे रोक दिया। यह दिखावा करना कि मैंने ही सब कुछ ठीक किया है। अगर भुजबल को लगता है कि ओबीसी नेताओं को निशाना बनाया जाएगा और उन पर हमला किया जाएगा तो उन्हें गृह मंत्री से मिलकर विस्तृत जानकारी देनी चाहिए। वे राज्य के वरिष्ठ नेता हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

साख नहीं, तो क्या बचा?

यह अपेक्षा तो रहती ही है कि तय प्रावधान का- उसकी भावना के मुताबिक पालन किया जाए। सिर्फ तभी नियुक्त व्यक्ति- और प्रकारांतर में जिस संस्था का प्रमुख उसे बनाया गया है, उसकी साख लोगों की निगाह में बनी रह सकती है।

अगर लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी की बात सच है, तो फिर यही कहा जाएगा कि पारदर्शिता और सहमति की भावना का उल्लंघन करते हुए सरकार ने मुख्य सूचना आयुक्त (सीआईसी) की नियुक्ति कर दी। चौधरी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर शिकायत की है कि जिस बैठक में हीरालाल समारिया को सीआईसी बनाने का फैसला हुआ, उसमें वे उपस्थित नहीं थे, क्योंकि नए सिरे से तय हुई नियुक्ति समिति की बैठक के बारे में उन्हें सूचित नहीं किया गया था। प्रावधान यह है कि सीआईसी की नियुक्ति वह कमेटी करेगी, जिसमें प्रधानमंत्री, लोकसभा में सबसे बड़े विपक्षी दल के नेता, और एक केंद्रीय मंत्री शामिल होंगे। ऐसी परिस्थिति में अगर सरकार विपक्ष की राय दरकिनार करने को ठान ले, तो वह आसानी से ऐसा कर सकती है। फिर भी यह अपेक्षा तो रहती ही है कि तय प्रावधान का- उसकी भावना के मुताबिक पालन किया जाए। सिर्फ तभी नियुक्त व्यक्ति- और प्रकारांतर में जिस संस्था का प्रमुख उसे बनाया गया है, उसकी साख लोगों की निगाह में बनी रह सकती है। मगर यह साफ है कि मौजूदा केंद्र सरकार इस सामान्य जन अपेक्षा का आदर भी करने को तैयार नहीं है। इसीलिए वर्तमान सरकार के कार्यकाल में संस्थाओं की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता में भारी गिरावट की शिकायतें आम होती गई हैं। इन सबका सकल परिणाम लोकतंत्र के पैमानों पर भारत का दर्जा गिरने के रूप में सामने आया है। बेशक, इन सबके बावजूद सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी मोटे तौर पर मतदाताओं एक बहुत बड़े तबके में अपना आधार बनाए रखने में अब तक कामयाब है। इससे उसे चुनावी सफलताएं मिलती रही हैं। मगर सिर्फ चुनावी बहुमत प्राप्त करना लोकतंत्र नहीं है। अवरोध एवं संतुलन की मजबूत व्यवस्था, पारदर्शिता, और मयार्दाओं का सम्मान उसके अभिन्न घटक हैं। इनके बिना चुनावी बहुमत बहुसंख्या की तानाशाही का रूप ले लेता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि विवेकशील विश्व जनमत का एक बड़ा हिस्सा आज भारत को इसी रूप में देख रहा है। इस धारणा को दूर करने की जरूरत है। सरकार को समझना चाहिए कि संस्थाओं की साख है, तभी तक लोकतंत्र है।

'अंधेरे में उजाले का प्रतीक दीवाली'

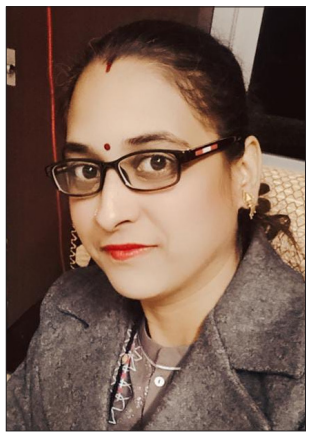

निर्जीव होते रिश्तों के पतझड़ के मौसम में जब किसी उत्सव त्यौहार की बहार आती है, तो पल दो पल या कुछ वक्त के लिए ही सही अरमानों की नई कोपल फूट पड़ती है और मन मयूर संबंधों और भावनाओं की नई खुशबू से नाच उठता है और जब यह पर्व दीपावली का हो तो बात कुछ खास हो जाती है, खास इसलिए की दिवाली अंधेरे पर उजाले की जीत का प्रतीक है। यदि अंधेरा जीवन के एक उदास पहलू का नाम है, तो रोशनी जिंदगी के उसे दूसरे पहलू के रूप में परिभाषित होती है। जिसके रंग उल्लास और उमंग से बनते हैं। दिवाली का यही अर्थ है और यही अर्थ हमारी सामाजिकता को एक नया रंग रूप प्रदान करता है। शायद यही वजह है कि दिवाली की आहट होते ही पलके अपनों के इंतजार में बिछ जाती है। हृदय संबंधों को संजीव करने की जुगत में धड़क उठता है और मन संबंधों को नए सिरे से परिभाषित करने में व्यस्त हो जाता है। सुख शांति और समृद्धि की चाह में हम जैसे ही जैसे अमावस्या की रात को दीपकों की रोशनी से उजास करते जाते हैं, वैसे-वैसे संबंधों की ढीली पड़ी गांठ को मजबूत करने के लिए कुछ गांठ और बांध लेते हैं। पर जैसे ही दीवाली के दीपकों की लौ बुझती है रात के रंग की तरह मन का रंग भी काला पड़ने लगता है और धीरे-धीरे रिश्तो की गर्माहट फिर से ठंडे कोहरे में समा जाती है, जैसे सब कुछ बनावटी सा दिखावे के रंगों से रंगा हुआ।

आखिर इसका मतलब क्या है? क्या सच यह नहीं है कि हम बिल्कुल बनावटी हो गए हैं? हम अपना प्रेम अपना भाव अपना संबंध और मानवीयता तभी प्रदर्शित करते हैं जब उस प्रदर्शन से हमें कोई लाभ होने की उम्मीद हो? त्यौहार हमारे ऐसे ही प्रदर्शन के प्रतीक बन गए हैं। जब त्यौहार आते हैं हम अपनो को, सगे संबंधियों को एकत्रित कर अपने वैभव ठाठ बाट, ऐश्वर्य और धन दौलत की नुमाइश करते हैं। वे मुग्ध होते हैं तो हम खुद को बड़ा महसूस करते हैं और

हमारा लाभ यह है कि हमारे अहं की संतुष्टि होती है। हमारे मन में यह भाव तो होता ही नहीं कि त्यौहारों के माध्यम से आपसी सद्भाव को बढ़ाया जा सकता है और संबंधों को नया रंग रूप दिया जा सकता है। जब हमारी मूल सोच यही है तो हमें सामाजिकता से क्या लेना? सामाजिक सरोकारों से क्या लेना? अगर आज आदमी, आदमी से टूट रहा है, रिश्ते व्यवसायिकता में बदल रहे है, मन की कोमल भावनाएं पथराकर निर्दयी बनती जा रही है, तो इसकी मूल वजह हमारी ऐसी ही सोच का होना है। जब तक हमारे विचार नहीं बदलेंगे इंसानियत की सोच नहीं पैदा होगी, पूरा समाज इसी तरह से बिखरा बिखरा तनावग्रस्त नजर आता रहेगा, भले ही हर साल हम दीपावली के हजारों हजार दीपक जलाकर रात का अंधेरा भगाते रहे।

बेहतर यह होगा कि इस साल की दीवाली हम मानवता और भाईचारे की नई थीम के साथ मनाये। यदि बाती प्रेम की हो तो तेल हो सद्भाव का। दीपक की जो रोशनी हो, उससे मन का अंधियारा दूर हो।

उल्लास सामाजिक उत्थान का हो और मन में उमंग हो, एक दूसरे से जुड़ने की। अगर हम ऐसी दीवाली मना पाए तो सच में जो उजाला पैदा होगा वह निहायत अद्भुत और सौम्य होगा। पर क्या ऐसा होगा?

पूजा गुप्ता
मिर्जापुर (उत्तर प्रदेश)

दरियादिली आपके लिए बन सकती है मुसीबत

अगर आप कहीं बस या ट्रेन के सफर में हो और आपके पास कोई भिखारी आकर खाना मांगे तो आप खाना देने का कष्ट ना करे वरना ये दरिया दिली आपके लिए मुसीबत बन सकती है...

जी हां आजकल ऐसे ट्रैंड भिखारियों के गैंग चल रहे है जो आपसे खाना मांगते है और ज्यों ही उनका कोई सदस्य उस में से कुछ खाता है वो मुंह से जाग निकाल के तड़पने का नाटक करने लग जाता है और गिरोह के अन्य सदस्य मारपीट पे उतर आते है और पुलिस केस में फंसाने की धमकियां देते है। इनकी सेटिंग वहां के पुलिस वालों से भी होती है और आप से जबरन एक मोटी रकम वसूल सकते है...अच्छा होगा कि आप बचा हुआ खाना किसी कुत्ते को डाल दे। अगर आप रात में गाड़ी चला रहे हैं और कोई आपके WINDSCREEN पर अंडे फेंके तो कार की जांच के लिए रोकें नहीं, वाइपर संचालित भी ना करें और किसी भी तरह का पानी विंडस्क्रीन पे ना डाले, क्योंकि अंडे के साथ मिश्रित पानी दूधिया बन जाता है और आपकी दृष्टि को 92.5% तक के लिए ब्लॉक कर देता है और फिर आपको मजबूरन गाडी को सड़क के बगल में बंद करना पड़ता है और फिर आप पहले से घात लगाये बैठे अपराधियों का शिकार बन जाते है। यह एक नई तकनीक है इसका प्रयोग आजकल हाईवे पे अपराधिक गिरोहो द्वारा किया जाता है कृपया अपने दोस्तों और रिश्तेदारों को जरुर सूचित करें।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कल्याण फाटा परिसर में ठाणे मनपा प्रशासन की दिवा प्रभाग समिति द्वारा अवैध सर्विस स्टेशन, गैरेज और 22 दुकानों पर की गई तोड़क कार्रवाई

लोगों में मचा हाहाकार, खत्म हुआ गरीबों का रोजी रोटी कमाने का साधन

मुंबई हलचल/अब्दुस समद खान

मुंब्रा शिल। ठाणे मनपा प्रशासन की दिवा प्रभाग समिति द्वारा कल्याण फाटा परिसर स्थित सड़क के किनारे मौजूद गैरेज सर्विस स्टेशन और दुकानों पर तोड़क कार्रवाई की गई इस तोड़क कार्रवाई के मामले में जानकारी देते हुए ठाणे मनपा प्रशासन के अतिक्रमण निष्कासन विभाग के सहायक आयुक्त महेश अहिरे द्वारा जानकारी देते हुए बताया की कल्याण फाटा परिसर स्थित सड़क को लगकर बने अवैध गैरेज,सर्विस स्टेशन, और दुकानों का निर्माण सरकारी जमीन पर किया गया था जिसकी शिकायतें काफी आ रही थी क्योंकि इस परिसर में ट्रैफिक की समस्या काफी उत्पन्न हो रही थी और प्रदूषण बढ़ता चला जा रहा था प्रदूषण को रोकने के लिए हमारे ठाणे मनपा आयुक्त अभिजीत बांगर के आदेशों पर यह कार्रवाई की गई कार्रवाई से पहले दिवा प्रभाग समिति की तरफ से 260 का नोटिस दिया गया था और तीन-चार महीने पहले हमारी ओर से 20 से 22 दुकान मालिकों को चेतावनी दी गई थी और दुकान खाली करने के आदेश दिए गए थे और हमारी ओर से पूरी तरह से डीपीएल फॉलो करने के बाद ही यह कार्रवाई को अंजाम दिया गया हालांकि आज ही उच्च न्यायालय की तरफ से प्रदूषण को रोकने के लिए कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए थे और आज की कार्रवाई में हमारी ओर से दो पोकलेन एक जेसीबी और 40 कर्मचारी के साथ शिल डायगर पुलिस स्टेशन का कड़े बंदोबस्त

में यह तोड़क कार्रवाई की गई वहीं दूसरी ओर तोड़ी गई दुकान के मालिकों द्वारा कहा जा रहा है कि हम लोगों को नोटिस के नाम पर छलावा किया गया है किसी एक व्यक्ति द्वारा खाली खाना पूर्ति करते हुए नोटिस भेजी गई जबकि वह नोटिस सभी दुकानदारों तक नहीं पहुंची और अचानक आज हमारे दुकान ध्वस्त कर दी गई जबकि यह दुकान हम लोगों ने वर्ष 2003 में खरीदी थी और आज 19 वर्षों बाद हमारे रोजी रोटी कमाने के साधन को पूरी तरह से खत्म कर दिया गया है हमारा परिवार पूरी तरह से सड़क पर आ गया दुकानदारों ने बताया यह कार्रवाई अटलांटा बिल्डर के षड्यंत्र का हिस्सा है जिसने हम लोगों की जिंदगी बर्बाद कर दी टीएमसी हमारे दुकानों को अवैध बता रही है अगर समय रहते हम लोगों को नोटिस मिल जाती तो क्या हम दुकान मालिक उच्च न्यायालय का दरवाजा नहीं खटखटाते आज हम लोगों को रोजी-रोटी से हाथ तो नहीं धोना पड़ता दुकान मालिक ने कहा क्या मुंब्रा शहर मैं अवैध दुकान नहीं बनी हैं करवाई करना था तो सभी दुकानों को ध्वस्त करना चाहिए था विजय गौर नामी व्यक्ति द्वारा हाल ही में बनाए गए कार्यालय पर तोड़क कार्रवाई क्यों नहीं की गई उसके कार्यालय को किसके इशारे पर छोड़ दिया गया क्या टीएमसी बस गरीबों पर ही कार्रवाई करेगी राजनीतिक संबंध रखने वाले लोगों के कार्यालय को क्यों छोड़ा गया गौरतलब बात तो यह है जिस प्रकार ठाणे मनपा प्रशासन के अतिक्रमण निष्कासन विभाग के सहायक आयुक्त महेश अहिरे द्वारा चेताया गया है कि हमारी ओर से करवाई का सिलसिला अवैध गैरेज,सर्विस स्टेशन और अवैध दुकानों पर जारी रहेगा जिससे परिसर में उपस्थित दुकानदार में हड़कंप मचा हुआ है।

मुख्य नाला धसने से कभी भी घट सकती है भयानक दुर्घटना

अगर दुर्घटना घटी तो ठाणे मनपा प्रशासन की मुंब्रा प्रभाग समिति होगी जिम्मेदार

मुंबई हलचल/अब्दुस समद खान

मुंब्रा। कौसा स्थित शिमला पार्क तलाव पाली परिसर में मौजूद फलाह कॉम्प्लेक्स के समीप से गुजरने वाला मुख्य नाला पूरी तरह से धसने की कगार पर है जिससे परिसर की इमारत में रहने वाले लोगों में डर और दहशत का माहौल कायम हो चुका है इस मुख्य नाले के बारे में जानकारी देते हुए स्थानीय परिसर इमारत के रहवासियों ने बताया की वर्ष 16/6/22 को मुंब्रा प्रभाग समिति को शिकायत पत्र दिया गया था जिसमें उल्लेख किया गया था कि कौसा तलाव पाली स्थित से गुजरने वाला मुख्य नाला हमारी 7 से 8 सोसाइटी को लगकर जाता है जिसकी दीवार टूट गई है और सड़क के आसपास पूरी तरह से दरार पड़ चुकी है और नाला कभी भी धस सकता है जिसे दुरुस्त करने की मांग स्थानीय परिसर के रहवासी द्वारा की गई थी जिस पर ठाणे मनपा प्रशासन की मुंब्रा प्रभाग समिति की तरफ से किसी प्रकार का कोई भी संज्ञान नहीं लिया गया है दोबारा हम लोगों ने पत्र 10/01/2023 को मुंब्रा प्रभाग समिति को दिया लेकिन 18 महीने बीत जाने के बाद भी अब तक किसी प्रकार का कोई भी संज्ञान मुंब्रा प्रभाग समिति की तरफ से नहीं लिया गया था बस उनकी तरफ से एक कर्मचारी ने जाकर सर्वे किया और चला गया वह भी 8 महीना पहले

की बात है उसके बाद कुछ भी नहीं हुआ और अब हालत यह हो गए हैं कि कभी भी मुख्य नाल धस सकता है जिससे एक बड़ी दुर्घटना घट सकती है और जनहानि भी हो सकती है क्योंकि यह मुख्य नाला को लगकर बनी सड़क पर दो पहिया वाहन और चार पहिया वाहन का आना-जाना लगा रहता है और तो और बड़ी गाड़ी भी इसी सड़क से मुख्य नाले से होकर गुजरती है और स्कूली बच्चों का आना जाना इसी सड़क से होकर गुजरता है बच्चे यहां पर साइकिल चलाते हैं खेलते हैं मस्ती करते हैं और वहीं पर मुख्य नाला की दीवार धसने की कगार पर है और उसके पास ही तलाव पाली भी है अगर भविष्य में नाला धस जाता है तो तलाव का पूरा पानी इस ओर आ जाएगा जिससे एक बड़ी दुर्घटना घट सकती है जनहानि भी निश्चित है हमने इसकी शिकायत स्थानीय पूर्व नगर सेवक को भी की थी लेकिन उन्होंने केवल आश्वासन ही दिया किसी प्रकार का कोई भी संज्ञान उनकी तरफ से नहीं लिया गया है फिलहाल स्थानीय रहवासी मुख्य नाले के धसने को लेकर काफी चिंतित नजर आ रहे हैं परिसर की इमारत के रहने वालों में डर और दहशत का माहौल कायम हो चुका है उन्होंने कहा है कि अगर भविष्य में कोई दुर्घटना घटती है तो उसका जिम्मेदार ठाणे मनपा प्रशासन की मुंब्रा प्रभाग समिति ही होगी।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

मंत्री छगन भुजबल मिली जान से मारने की धमकी

इस पर ओबीसी नेता छगन भुजबल ने भी मराठा समाज को आरक्षण देने की वकालत की थी, लेकिन राज्य सरकार से मराठा समाज को ओबीसी आरक्षण को नुकसान पहुंचाए बिना अलग से आरक्षण देने की सलाह दी थी। मनोज जारांगे पाटिल का आरोप था कि कहा कि मराठा समाज को आरक्षण न दिया जाए, इसके लिए ओबीसी नेता साजिश कर रहे हैं। इसके बाद ही मंगलवार सुबह छगन भुजबल के फोन पर किसर अज्ञात व्यक्ति ने जान से मारने की धमकी दी है। इसकी शिकायत भुजबल ने पुलिस को दी और फोन करने वाले की तलाश पुलिस कर रही है। लेकिन धमकी को देखते हुए मुंबई पुलिस ने छगन भुजबल के मुंबई स्थित आवास पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है।

परे ने टिकट जांच अभियानों में 94.51 करोड़ रुपये जुर्माना वसूला

पश्चिम रेलवे के जनसम्पर्क विभाग से जारी विज्ञप्ति के अनुसार अक्टूबर, 2023 के दौरान बिना बुक किए सामान के मामलों सहित 2.17 लाख बिना टिकट और अनियमित यात्रियों का पता लगाकर 13.32 करोड़ रुपये की राशि वसूल की गई। इसके अलावा अक्टूबर के महीने में भी पश्चिम रेलवे ने मुंबई उपनगरीय खंड पर 77,000 से अधिक मामलों का पता लगाकर 3.64 करोड़ रुपये का जुर्माना प्राप्त किया। एसी लोकल ट्रेनों में अनधिकृत यात्रा को रोकने के लिए नियमित औचक टिकट जांच अभियान चलाए जाते हैं। इन अभियानों के परिणामस्वरूप अप्रैल से अक्टूबर, 2023 के दौरान 41500 से अधिक अनधिकृत यात्रियों पर जुर्माना लगाया गया है और जुर्माने के रूप में 136.74 लाख रुपये वसूल किये गये, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में लगभग 86.73% अधिक है।

मराठा आरक्षण पर सरकार में दो फाड़

जरूरत पड़ी तो सरकार में रहकर भी संघर्ष करेंगे। छगन भुजबल के इस बयान पर महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और शिंदे गुट के नेता संभुराज देसाई ने कहा छगन भुजबल को इस तरह का बयान नहीं देना चाहिए। उनके इस बयान से राज्य में लोगों के मन में भ्रम पैदा होंगे। संभूराज देसाई ने कहा कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने पहले ही साफ-साफ कहा है की किसी का भी आरक्षण छीन कर किसी दूसरे वर्ग को नहीं दिया जाएगा। शिंदे गुट के नेता संभुराज देसाई ने छगन भुजबल की भूमिका की निंदा की है। उन्होंने आगे कहा कि भुजबल साहब ने एक भ्रम फैलाने का काम किया है। भुजबल का आरक्षण को लेकर दिया गया ब्यान 100 प्रतिशत गलत है। ओबीसी आरक्षण को बिना छुए हम आरक्षण देने वाले हैं। भुजबल साहब क्रेडिट लेने के लिए इस तरह का ब्यान दे रहे हैं। संभूराज देसाई ने कहा छगन भुजबल के बयान को लेकर हम अजित पवार से मुलाकात करेंगे। उन्हे कहेंगे कि अजित पवार अपने मंत्रियों को समझाए की वो इस प्रकार का कोई बयान ना दे, जिससे राज्य में भ्रम पैदा हो। देसाई ने कहा भड़काऊ बयान देकर मीडिया का ध्यान आकर्षित करना भुजबल की पुरानी आदत है। मुझे नहीं पता कि वे ऐसा बयान देकर कोई माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं या नहीं।

दिल्ली के बाद मुंबई में भी जहरीली हवाओं का प्रकोप

गौरतलब है कि ग्लोबल हॉस्पिटल्स के क्रिटिकल केयर डिपार्टमेंटर के डायरेक्टर डॉ. प्रशांत बोराडे ने एनडीटीवी से बातचीत में कहा, इस प्रदूषित हवा में सांस लेना कम समय में 1000 सिगरेट पीने के बराबर है। दिवाली के बाद यह और भी खराब होने वाला है। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें युवा मरीजों में भी ऐसे लक्षण दिखाई दे रहे हैं। कई गंभीर मरीजों को आईसीयू में भर्ती करना पड़ा है।

एक्टर बॉबी वत्स फिल्म 'प्यारी तरावली' में बने खतरनाक डॉन, शकील खान के किरदार से दर्शक हुए प्रभावित

मुंबई हलचल / संवाददाता

फिल्में, टीवी धारावाहिकों और रंगमंच से लंबे समय से जुड़े रहे एक्टर बॉबी वत्स की नई फिल्म 'प्यारी तरावली द टू स्टोरी' को दर्शक बहुत पसन्द कर रहे हैं और विशेषकर उनकी शकील खान की भूमिका से लोग बेहद प्रभावित हो रहे हैं। रजनीश दुबे द्वारा निर्देशित फिल्म में प्यारी का रोल डॉली तोमर ने बखूबी निभाया है मगर कहानी में मोड़ उस वक्त आता है जब बॉबी वत्स के किरदार शकील खान की एंट्री होती है। उन्होंने भोपाल के डॉन का चरित्र निभाया है जो इतना पॉवरफुल होने के बावजूद इंसान बहुत अच्छा है। कुछ लोग कह रहे हैं कि फिल्म में एक मुस्लिम किरदार को बहुत अच्छा बताया गया है। इस बारे में बॉबी वत्स कहते हैं कि फिल्म एक सच्ची घटना पर आधारित है और शकील खान का किरदार ही कुछ ऐसा है जिसे निर्देशक ने सिल्वर स्क्रीन पर उसी तरह पेश किया है। मुझे इस कैरेक्टर को करने में बहुत मजा आया। भोपाल में इसकी रियल लोकेशन पर शूटिंग का अनुभव भी यादगार रहा।

बॉबी वत्स कहते हैं कि उन्होंने जब भी पर्दे पर मुस्लिम किरदार अदा किया है दर्शकों का भरपूर प्यार मिला है। सोनी टीवी के सुपरहिट शो हिना में मैंने तौकीर का किरदार अदा किया था, उसे भी लोगों ने खूब सराहा था। और अब प्यारी फिल्म में शकील खान के कैरेक्टर को लोग पसन्द कर रहे हैं। बॉबी वत्स का कहना है कि चूंकि वह रंगमंच से लंबे अरसे से जुड़े रहे हैं इसलिए किरदार की तैयारी, उसे पेश करने में वह काफी शिद्दत से मेहनत करते हैं। बता दें कि एक्टर, राईटर और डायरेक्टर बॉबी वत्स की पुरुस्कार विजेता शार्ट फिल्म 'नचिकेता' को कई नेशनल और इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल्स में दिखाया गया जहां इसे काफी तारीफ मिली है। कई फिल्म महोत्सवों में इसे अवार्ड से भी नवाजा गया। बॉबी वत्स गोवा फिल्म महोत्सव सहित दुनिया भर के अनगिनत फिल्म फेस्टिवल्स में जाते रहे हैं, उस से सिनेमा को और निकटता से समझने और सीखने में मदद मिली है। उन्होंने वर्ल्ड सिनेमा भी खूब देखा है, अंतरराष्ट्रीय स्तर के फिल्म मेकर्स से मिले हैं, और इन सभी अनुभवों को वह अपनी अदाकारी में इस्तेमाल करते हैं। जल्द ही उनके कई और प्रोजेक्ट्स भी आने वाले हैं।

जुमे को होगी फिलिस्तीनियों के हक में दुआ : मौलाना तौकीर का ऐलान

हमारे देश को फिलिस्तीन के हक में वोट देना चाहिए था घर पर करी मीडिया से बात

मुंबई हलचल / संवाददाता

बरेली। इत्तेहाद ए मिल्लत कौंसिल आईएमसी के प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खान ने आगामी 17 नवंबर को बरेली के इस्लामिया इंटर कॉलेज के विशाल मैदान पर फलस्तीनियों के हक में दुआ करने का एलान किया है। दरगाह आला हजरत स्तिथ अपने निवास पर उन्होंने मिड़िया से मुखातिफ होते हुए ये बात कही। मौलाना ने कहा कि इजराइल द्वारा फिलिस्तीन में बेकसूर महिलाओं,बच्चो, बुजुर्गों को मारा जा रहा है जुल्म की इंतहा हो गई है। इजराइल ने मस्जिद ए अक्सा को अपने कब्जे में ले रखा है इंसानियत में यकीन रखने वाले हर शक्स में बैचेनी है।इजराइल द्वारा किए जा रहे कत्ल ए आम पर लोगो में गुस्सा है। इधर दिवाली का पर्व है इसलिए दीवाली के बाद 17 नवम्बर को जुमे की नमाज के बाद इस्लामिया के मैदान पर मजलूम फलिस्तीनयो के हक में इज्तेमाई दुआ की जायेगी। उसके बाद यूएनओ के नाम जिला अधिकारी को ज्ञापन दिया जाएगा। आईएमसी प्रमुख ने अपील की है कि इस दुआ में फलिस्तीनयो के हक में तमाम खानकाह के सज्जादगान व प्रमुख के साथ इंसानियत में यकीन रखने वाले लोग इज्तेमाई दुआ में शामिल होंगे। मौलाना ने कहा के इस जुल्म में यहूदी और सऊदी एक हो गए हैं। उन्होंने कहा कि इसराइल पिछले कुछ सालों में दो लाख के करीब बेकसूर फ्लीस्तीनियो का कत्ल कर चुका है। जो लोग इजराइल के इस जुल्म के साथ खड़े है वह इंसानियत के दुश्मन है। हमारे देश ने हमेशा फिलिस्तीन की हिमायत की है। लेकिन बहुत अफसोस की बात है के जब युद्ध रोकने के लिए वोटिंग हुई तो हमारे देश ने उस से दूरी बना ली यह एक बड़ी तकलीफ और चिंता की बात है सरकार को फलीस्तीनियों के हिमायत में वोट करना चाहिए था। घर पर इस प्रेस बैठक में आईएमसी के डॉक्टर नफीस खान,मुनीर इदरीसी,मुहम्मद नदीम खान,मुहम्मद सलीम खान,नदीम कुरैशी, अफजाल बेग भी मौजूद थे।

दिल्ली एनसीआर में वायु गुणवत्ता जानलेवा, शीर्ष कोर्ट ने की यह टिप्पणी

पराली जलाना तत्काल रोकें, नहीं तो चलेगा हमारा 'बुलडोजर'

कोर्ट ने पंजाब, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और राजस्थान सरकारों को लगाई फटकार

स्थानीय एसएचओ को जिम्मेदार माना जाएगा

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

गैस चेंबर में तब्दील हो चुके दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता की स्थिति गंभीर है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट ने संज्ञान लेते हुए पंजाब, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और राजस्थान सरकारों को पराली जलाने पर तुरंत रोक लगाने का निर्देश दिया है।

कोर्ट ने पराली जलाने की घटनाओं पर सख्ती बरतते हुए कहा है कि राज्य सरकारें पराली जलाने की घटनाओं पर तत्काल रोक लगाएं। हम नहीं जानते कि आप कैसे करेंगे, पर इसे तत्काल रोकिए। कोर्ट ने सख्त कहा कि आपने सुधार नहीं किया तो मुझे ही एक्शन लेना होगा। मंगलवार सुबह 7 बजे तक राजधानी का वायु गुणवत्ता सूचकांक 395 दर्ज किया गया, जो 'बहुत खराब' श्रेणी में है।

खास बातें

- प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट नाराज, राज्य सरकारों को निर्देश
- हम नहीं जानते कि आप कैसे करेंगे, पर इसे तत्काल रोकिए

स्मॉग टावर कब काम करेंगे?

दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने दिल्ली में स्मॉग टावर के बंद पड़े होने पर सख्त नाराजगी जताते हुए दिल्ली सरकार से पूछा कि स्मॉग टावर कब काम करेंगे। कोर्ट ने कहा कि स्मॉग टावर तुरंत शुरू होना चाहिए, हम नहीं जानते सरकार कैसे स्मॉग टावर शुरू करेगी। कोर्ट ने केंद्र सरकार को भी कहा कि आपको कोई ऐसा उपाय करना चाहिए कि किसान दूसरी फसलों की खेती की तरफ रुख करें।

पंजाब सरकार पराली जलाने पर तुरंत रोक लगाए

दिल्ली में प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट का मानना है कि हर समय राजनीतिक लड़ाई नहीं हो सकती। कोर्ट ने पंजाब से कहा कि हम चाहते हैं कि यह पराली जलाना बंद हो। हम नहीं जानते कि आप यह कैसे करते हैं, यह आपका काम है लेकिन इसे रोका जाना चाहिए। तसुप्रीम कोर्ट ने मुख्य सचिवों से पूछा कि क्या राज्यों को प्रदूषण के मुद्दे पर भौतिक रूप से या जूम के माध्यम से बैठक करनी चाहिए।

आप कुछ भी करें... हर हाल में हो सुधार

पंजाब सरकार ने कोर्ट में कहा कि पराली की समस्या का समाधान न्यूनतम समर्थन मूल्य भी हो सकता है। पंजाब सरकार ने कहा कि छोटे और मंझोले किसानों को इसके लिए हम गिरफ्तार नहीं कर सकते। हम पराली प्रबंधन की मशीनों पर 50 फीसदी छूट दे रहे हैं। तब कोर्ट ने कहा कि आप कुछ भी कीजिए, घटनाओं को हर हाल में रोकिए।

नोएडा में 9वीं तक से स्कूल बंद, ऑनलाइन होगी पढ़ाई

दिल्ली में प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। मंगलवार सुबह 7 बजे तक राजधानी का वायु गुणवत्ता सूचकांक 395 दर्ज किया गया, जो बहुत खराब श्रेणी में है। दिल्ली सरकार ने पहले ही प्रदूषण को देखते हुए स्कूलों में छुट्टी का ऐलान कर दिया था। जिसके बाद अब गौतमबुद्ध नगर प्रशासन ने भी नोएडा और ग्रेटर नोएडा के स्कूलों को बंद कर दिया है। प्रदूषण के कारण तीन दिन स्कूल बंद रहेंगे। 10 नवंबर तक जिले में स्कूलों की छुट्टी रहेगी।

ऑड-ईवन में कोर्ट के निर्देश का पालन करेंगे: राय

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि सरकार पहले सुप्रीम कोर्ट के आदेश का अध्ययन करेगी और उसके बाद सम-विषम (ऑड-ईवन) नियम लागू करेगी। कोर्ट ने दिल्ली में प्रदूषण की स्थिति के लिए 'आप' सरकार को फटकार लगाई और पूछा कि क्या सड़कों पर चलने वाली कारों की संख्या को संतुलित करने की सम-विषम योजना कभी सफल रही है?राय ने कहा कि सरकार सम-विषम कार योजना के विवरण को अंतिम रूप देने में उच्चतम न्यायालय के प्रदूषण रोकथाम संबंधी निर्देशों को शामिल करेगी। दिल्ली में 13-20 नवंबर तक सम-विषम योजना लागू की जाएगी। 2016 में पहली बार लागू की गई इस योजना के तहत सम या विषम पंजीकरण संख्या वाली कारों को एक दिन छोड़कर एक दिन पर चलाने की अनुमति दी जाती है। आपातकालीन और पुलिस वाहनों, दोपहिया वाहनों, महिलाओं द्वारा चलाई जाने वाली कारों को छूट दी गई थी।

कविता

ए माटी मैं हूँ तेरी नाती
ए मेरे देश की प्यारी माटी
तू पूरे ब्रह्मांड से लेकर
धरती माँ में समायी है
तेरी सोन्दी सोन्दी खुशबू से
चन्द्र मुखी /-रात की रानी
सूर्य की किरणों से शरमाई है
क्योंकि प्यारी माटी तू ही ने तो
जन्म देकर आई हो
वह अन्न धन धान्य
वह माइनस मेटल औषधी
वह पंच महाभूत आकाश वायु
(पृथ्वी)जल अग्नि / तेरी उर्वरता
में मधुर अमल कटु तिक्त कषाय
सभी सवादो मे समाई हो
प्यारी माटी तू साइंटिस्टों को भी भाई हो
लेकिन अब मानव जाति को
एक प्रण निभाना है
प्यारी माटी को नतमस्तक कर
देश की माटी की शान बढ़ाना है
डा . अंजना मुकुंद कुलकर्णी

चाटुकारिता

चाटुकारिता एक कला है
दूर होती हर बला है
जो करता इस मंत्र का जाप
सब की नजरों में वह भला है
चाटुकारिता भी तो एक कला है
अच्छा है मैं इन सब से दूर हूं
समझाता सब को दिखाता सूर हूं
पता नही कैसे इन चाटूओ का
जमीर साथ दे जाता हैं
थोड़े से फायदे के खातिर
कदमों में जा गिर जाता हैं
खुद के खून के तो रिश्तों को
पहचानता नहीं और
आकाओं को इज्जत से लबालब
विविध नामों से बुलाता हैं
क्या करें साहब,
चाटुकारिता भी तो एक कला है...
श्रवण चौधरी

जेडीयू प्रमुख और सीएम नीतीश पहले ही आईएनडीआईए गठबंधन पर लगा चुके प्रश्नचिन्ह

विधानसभा में सीट शेयरिंग नहीं करनी थी तो साफ बताते

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

भाजपा के खिलाफ एकजुट हुए विपक्षी गठबंधन 'इंडिया'में शामिल दलों की एकजुटता को लेकर सवाल उठ रहे हैं। बिहार के सीएम नीतीश कुमार और समाजवादी पार्टी के चीफ अखिलेश यादव के बाद जम्मू कश्मीर के पूर्व सीएम उमर अब्दुल्ला ने भी गठबंधन पर सवाल उठाते हुए कहा कि हम एक दूसरे के खिलाफ ही लड़ रहे हैं। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया'में शामिल नेशनल कॉन्फ्रेंस के वाइस प्रेसिडेंट उमर अब्दुल्ला ने कहा कि गठबंधन विधानसभा चुनाव में सीट शेयरिंग के लिए नहीं करना था तो पहले से साफ कर देते। मीटिंग में बार-बार बात उठी कि क्या विधानसभा चुनाव में गठजोड़ होगा।

अखिलेश के बाद उमर अब्दुल्ला ने भी उठाए 'इंडिया' गठबंधन पर सवाल

गठबंधन 'इंडिया' की पार्टियां एक-दूसरे के खिलाफ ही चुनाव लड़ रहीं

इसको लेकर फैसला नहीं हुआ। मध्य प्रदेश सहित अन्य राज्यों में गठबंधन 'इंडिया' की पार्टियां एक-दूसरे के खिलाफ लड़ रही हैं। कांग्रेस कह रही है कि गठबंधन लोकसभा चुनाव के लिए हुआ है। ऐसा है तो कारगिल में जो हुआ उसका क्रेडिट गठबंधन इंडिया को क्यों दिया गया? मैं चाहता हूं कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के बाद खटास को दूर करें ताकि लोकसभा चमें प्रदर्शन ठीक रहे।

अखिलेश ने लगाया था धोखा देने का आरोप

यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव लगातार कांग्रेस पर गठबंधन को धोखा देने का आरोप लगाते हुए कह रहे हैं कि वह नहीं चाहती है कि छोटे दल उसके सहयोगी बने। जहां तक कांग्रेस का सवाल है तो कांग्रेस ने अच्छा किया कि पहले ही हमसे दूर हो गई नहीं तो हमारे कई साथी नामांकन ही नहीं भर पाते क्योंकि उन्हें ये भरोसा था कि हम साथ मिलकर लड़ रहे हैं।

कांग्रेस -सपा में नाराजगी की वजह

अखिलेश यादव ने हाल ही में दावा किया था कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व सीएम ने हमारे साथ मीटिंग की। इस दौरान छह सीटों पर बात बनी, लेकिन एक भी सीट नहीं दी गई। मुझे पता होता कि लोकसभा चुनाव के लिए गठबंधन है तो मैं बैठक नहीं करता। यूपी में इसका ध्यान रखा जाएगा।

कांग्रेस ने यह दिया जवाब
5 राज्यों के चुनाव के बाद हम फिर जुटेंगे

कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने रविवार को पार्टी की ओर से प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव को लेकर 27-28 पार्टी ने एकजुट होने का निर्णय लिया है।अभी हम पांच राज्यों के चुनाव में व्यस्त हैं। ये चुनाव खत्म होते ही एक बार फिर से हम जुट जाएंगे।

'सवाल के बदले नकदी', कल सुनवाई

समिति की बैठक से पहले मोइत्रा और निशिकांत में 'नोकझोंक'

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की नेता महुआ मोइत्रा ने दावा किया कि लोकसभा की आचार समिति की बैठक कांग्रेस के एक सदस्य को कार्यवाही से दूर रखने और रिपोर्ट को बहुमत से स्वीकार करने के लिए स्थगित की गई है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने तीखी प्रतिक्रिया दी। सांसद विनोद कुमार सोनकर की अध्यक्षता वाली आचार समिति की मंगलवार को बैठक होनी थी, जिसमें मोइत्रा के खिलाफ 'सवाल के बदले नकदी' पर मसौदा रिपोर्ट पर विचार किया जाना था। बैठक 9 नवंबर तक स्थगित कर दी गई है।

मसौदा रिपोर्ट वितरित नहीं की: मोइत्रा

मोइत्रा ने दावा किया कि समिति की कोई मसौदा रिपोर्ट सदस्यों को वितरित नहीं की गई और भाजपा नेता बहुमत से रिपोर्ट को स्वीकार करने सहयोगियों से संपर्क कर रहे हैं। दुबे ने कहा कि यह उनका दोषी विवेक है जो उन्हें कार्यवाही के बारे में चिंतित कर रहा है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

उत्तराखंड हलचल

दिवाली से पहले धामी सरकार का तोहफा

इन 6 हजार कर्मियों को मिलेगी पुरानी पेंशन

मुंबई हलचल/ संवाददाता

देहरादून। पुरानी पेंशन का लाभ लेने के लिए लंबे समय से हाथ-पांव मार रहे कर्मचारियों को धामी सरकार ने बड़ी राहत दी है। एक अक्टूबर, 2005 से पहले भर्ती प्रक्रिया में सम्मिलित रहे, लेकिन नई पेंशन योजना से आच्छादित किए गए कर्मचारियों को पुरानी पेंशन का लाभ मिलेगा। प्रदेश सरकार ने इन कर्मचारियों को पुरानी पेंशन का विकल्प देने के लिए 15 फरवरी, 2024 तक समय सीमा निर्धारित की है। छह हजार से अधिक कर्मचारियों को यह लाभ मिलेगा। वित्त अपर मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने इस संबंध में अधिसूचना जारी की। मंत्रिमंडल ने बीती 30 अक्टूबर को इस संबंध में निर्णय लिया था। प्रदेश सरकार ने केंद्र की भांति ही यह कदम उठाया है। केंद्र सरकार ने तीन मार्च, 2023 को आदेश जारी कर नई पेंशन योजना से आच्छादित अपने कार्मिकों के लिए पुरानी पेंशन योजना का दायरा बढ़ाया है। उत्तराखंड में नई पेंशन योजना एक अक्टूबर, 2005 से लागू की गई। प्रदेश सरकार ने एक अक्टूबर, 2005 से पहले विज्ञापित या अधिसूचित पदों के लिए आवेदन करने और एक अक्टूबर, 2005 को या इसके बाद कार्यभार

ग्रहण करने वाले कार्मिकों को पुरानी पेंशन के लिए आवेदन का विकल्प दिया है।

पुरानी पेंशन की शर्त पूरा करने के बाद जारी होंगे आदेश

खातों में कार्मिकों के अंशदान का समायोजन वित्त अपर मुख्य सचिव आनंद वर्द्धन के अनुसार 15 फरवरी, 2024 तक विकल्प देने वालों के प्रकरण को नियुक्ति प्राधिकारी के समक्ष रखा जाएगा। पुरानी पेंशन पाने की शर्तों को पूरा करने वाले कार्मिकों के संबंध में आवश्यक आदेश जारी किए जाएंगे। इसके बाद उनका नई पेंशन योजना का खाता आदेश जारी होने की तिथि से बंद किया जाएगा। इन कर्मचारियों को सामान्य भविष्य निधि की सदस्यता लेनी होगी। नई पेंशन योजना के अंतर्गत कर्मचारी व राज्य सरकार के अंशदान से निर्मित पेंशन फंड की कुल राशि में से कर्मचारी अंशदान को संबंधित कर्मचारी के सामान्य भविष्य निधि खाते में जमा किया जाएगा। इस धनराशि पर वर्तमान तिथि तक ब्याज निर्धारित करते हुए खाते का पुनर्निर्धारण किया जाएगा।

सरकारी अंशदान का समायोजन

उन्होंने बताया कि नई पेंशन प्रणाली के अंतर्गत कर्मचारी व राज्य सरकार के अंशदान से निर्मित पेंशन फंड की कुल राशि में से सरकारी अंशदान को राज्य सरकार के खाते में जमा किया जाएगा। नई पेंशन योजना के तहत कर्मचारी एवं राज्य सरकार के अंशदान से निर्मित पेंशन फंड को निवेश करने पर जो भी बढ़ा हुआ मूल्य प्राप्त होगा, उसे राज्य सरकार के खाते में जमा किया जाएगा। इस व्यवस्था की लेखांकन प्रक्रिया कोषागार, पेंशन एवं हकदारी निदेशक महालेखाकार के परामर्श से उचित समय पर करेंगे। अपर मुख्य सचिव ने सभी राजकीय विभागों से केस-टू-केस आधार पर परीक्षण कर प्रस्ताव कोषागार, पेंशन एवं हकदारी निदेशक को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

दिनांक 7 नवंबर 2023 को मैडम रजनी रावत जी पूर्व राज्यमंत्री उत्तराखंड सरकार अपने भाई निरंजनी अखाड़ा हरिद्वार के श्री श्री श्री 1008 कैलाशानंद गिरी जी महाराज से सप्रेम भेंट किया व आशीर्वाद लिया। तथा अपने भाई की चिरायु के लिए अपनी कुलदेवी मुर्गे वाली माता बहुचरा माता से प्रार्थना किया।

दीपावली पर रात में भी संचालित की जाएगी अस्पताल की इमरजेंसी, ऑन कॉल उपस्थित होंगे डॉक्टर

मुंबई हलचल/ संवाददाता

हरिद्वार। दीपावली में बस चंद दिन बचे हैं। हिंदुओं के इस पवित्र त्यौहार के लिए तैयारियां जोरों-शोरों पर हैं। ये तो सब जानते हैं कि दीपावली के दिन पटाखों से जलने आदि के काफी मामले आते हैं। लिहाजा अस्पताल प्रबंधन ने आपात सेवाएं दुरुस्त रखने का दावा किया है। राजकीय मेला अस्पताल में बर्न वार्ड तो नहीं है, लेकिन पटाखों से मामूली जले मरीजों को इमरजेंसी में हरसंभव उपचार दिलाया जाएगा। इतना ही नहीं आन काल विशेषज्ञ चिकित्सक भी उपस्थित होंगे।

हर साल आते हैं पटाखों से जलने के मरीज

प्रकाश पर्व दीपावली पर शहर और आसपास के

क्षेत्रों में जमकर आतिशबाजी होती है। हर साल सरकारी और निजी अस्पतालों की इमरजेंसी में पटाखों से जले काफी मरीज पहुंचते हैं। सरकारी अस्पतालों में बर्न वार्ड न होने के चलते गंभीर मरीज रेफर किए जाते हैं। मामूली जले मरीजों को अस्पतालों की इमरजेंसी में ही समुचित उपचार दिया जाता है।

रात में चालू की जाएगी अस्पताल की इमरजेंसी

राजकीय मेला अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डा. राजेश गुप्ता ने बताया कि दीपावली पर अस्पताल की इमरजेंसी रात में भी संचालित की जाएगी। ईएमओ, फार्मेसिस्ट समेत अन्य स्टाफों की भी ड्यूटी निर्धारित कर दी गई है। जरूरी दवा के अलावा अन्य व्यवस्थाएं भी दुरुस्त कराई जा रही है। जरूरत पड़ने पर अस्पताल के एक कक्ष का उपयोग बर्न वार्ड के रूप में भी किया जाएगा।

हाईटेंशन लाइन की चपेट आकर झुलसा मजदूर

मुंबई हलचल/संवाददाता

ऋषिकेश। श्यामपुर विस्थापित क्षेत्र में एक भवन के ऊपर निर्माण कार्य के दौरान मजदूर हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया। बुरी तरह से झुलसे मजदूर को एम्स ऋषिकेश में भर्ती किया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी है। हाईटेंशन लाइन का करंट एलटी लाइन में फैल गया। जिससे करीब 25 घरों के बिजली के उपकरण जल गए। स्थानीय नागरिकों ने भवन स्वामी के खिलाफ पुलिस में शिकायत पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। विस्थापित क्षेत्र श्यामपुर में मंगलवार की दोपहर करीब एक बजे राजेंद्र नाथ के घर की छत में निर्माण कार्य चल रहा था। छत

के ऊपर से एचटी लाइन होकर गुजर रही है। वहां पर काम कर रहा मजदूर उमेश (30 वर्ष) पुत्र चेतराम निवासी बेतिया, बिहार एचटी लाइन की चपेट में आ गया। उसके कारण वह बुरी तरह से झुलस गया। उसे एम्स ऋषिकेश में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। इस दौरान एचटी लाइन का करंट एलटी लाइन में चला गया। संबंधित क्षेत्र के करीब 25 घरों में बिजली के उपकरण जल गए। घरों के कंट्रोल पैनल, मीटर, गीजर, बल्ब, पंखे क्षतिग्रस्त हो गए। कुछ घरों का लेटर और प्लास्टर भी क्षतिग्रस्त हुआ है।

उत्तराखंड में फैला साइबर ठगों का जाल, ट्रेडिंग और पार्ट टाइम जॉब वालों से हो जाएं सावधान

मुंबई हलचल/ संवाददाता

देहरादून। साइबर ठगी की बढ़ती घटनाओं ने पुलिस की नींद उड़ा दी है। ठगों ने एक सप्ताह में ही चार व्यक्तियों से एक करोड़ 70 लाख रुपये की धोखाधड़ी कर दी। इन मामलों में साइबर थाना पुलिस ने मुकदमे दर्ज कर लिए हैं। मंगलवार को कोटद्वार के अवधेश कुमार ने पुलिस को बताया कि फेसबुक के माध्यम से उनकी दोस्ती रिया शर्मा नाम की युवती से हुई थी। आठ अगस्त को युवती ने बताया कि वह फॉरेक्स ट्रेडिंग का काम करती है, जिसमें उसे काफी लाभ हुआ है। युवती ने बताया कि उसके चाचा फॉरेक्स ट्रेडिंग के एक्सपर्ट हैं और वह काफी सालों से यह काम कर रहे हैं।

लगाया 65 लाख का चूना

युवती ने अवधेश कुमार को भी इसमें निवेश करने का प्रलोभन दिया। इसके लिए उसने अवधेश के मोबाइल में एक एप डाउनलोड करवाया, जिसके माध्यम से उसका खाता खोला गया। 19 अगस्त से अवधेश ने विदेशी मुद्रा खरीदनी शुरू कर दी। जब उसने अपने खाते से विदेशी मुद्रा निकालनी चाही तो वह फ्रीज बताई गई। इस पर अवधेश ने युवती से बात की तो उसने बताया कि इसमें निवेश करके आपको काफी फायदा हुआ है। धनराशि निकालने के लिए 30 प्रतिशत इनकम टैक्स देना होगा। इसके बाद अवधेश ने पौने 23 लाख रुपये खाते में जमा किए। इसके बाद भी खाता फ्रीज ही रहा। जब उसने युवती से बात की तो उसने और धनराशि जमा करने की बात कही। करीब 65 लाख गंवाने के बाद अवधेश को ठगी का एहसास हुआ।

ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर ठगे 40 लाख रुपये

अन्य मामले में ठगों ने हरिद्वार के व्यक्ति से 40 लाख रुपये ठग लिए। हरिद्वार निवासी हेमंत कुमार ने बताया कि अज्ञात व्यक्ति ने उन्हें फोन कर ऑनलाइन ट्रेडिंग में काम कर अच्छा मुनाफा कमाने का लालच दिया। आरोपित ने उन्हें वाट्सएप पर मैसेज किया और टेलीग्राम से जोड़ दिया। इसके बाद गूगल मैप पर होटल के पांच स्टार रेटिंग करने का काम सौंपा। इसके बाद ठगों ने टास्क दिया कि यदि वह ऑनलाइन निवेश करते हैं तो उन्हें मोटा मुनाफा होगा। इस तरह ठगों ने उनसे 40 लाख रुपये ठग लिए।

पार्ट टाइम नौकरी का झांसा देकर 34 लाख रुपये ठगे

शिकायतकर्ता विक्रम सिंह निवासी रायपुर ने बताया कि अज्ञात व्यक्ति ने उन्हें वाट्सएप पर संपर्क कर पार्ट टाइम नौकरी का झांसा दिया। इसके बाद उन्हें टेलीग्राम चैनल से जोड़कर कुछ टास्क दिए। इसके बाद विभिन्न कंपनियों में निवेश करने के नाम पर उनसे 34 लाख रुपये ठग लिए। साइबर ठगों ने दून के व्यक्ति को अधिक कमाई का झांसा देकर निवेश करने के नाम पर 20 लाख रुपये ठग लिए। सहस्त्रधारा रोड निवासी मनीश कुमार ने बताया कि 11 अक्टूबर को उन्हें अज्ञात व्यक्ति ने फोन कर कंपनी के प्रचार के बदले 205 रुपये प्रतिदिन कमाने का झांसा दिया। 13 अक्टूबर को ठगों ने उन्हें टेलीग्राम से जोड़ा।

इसके बाद उन्हें वीआईपी टास्क बताकर उनसे 94 हजार रुपये जमा करवाए। इसके बाद अलग-अलग टास्क बताकर उनसे 20 लाख रुपये ठग लिए।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

नारियल पानी पीने से ही मिलेंगे आपको ये 10 फायदे

नारियल पानी किसी भी पेय पदार्थ से ज्यादा फायदेमंद है। एक नारियल में करीब 200 मि.लीटर पानी होता है। एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन सी,एंजाइम्स, बी-कॉम्प्लेक्स के अलावा और भी कई जरूरी पोषक तत्व मौजूद होते हैं। सिर्फ गर्मी के मौसम में ही नहीं बल्कि किसी भी मौसम में इसका सेवन फायदेमंद हैं। आइए जानें इससे होने वाले 10 फायदों के बारे में।

नारियल पानी पीने के फायदे

1. वजन कम - जो लोग वजन कम करना चाहते हैं, उन्हें इस पानी का रोजाना सेवन करना चाहिए। इससे मोटापा घटाने में बहुत मदद मिलती है।

2. ब्लड सकुर्लेशन बेहतर - नेचुरल एंटीऑक्सीडेंट के रूप में नारियल पानी बैस्ट है। इसे पीने से शरीर में खून का दौरा भी ठीक तरीके से चलता है।

3. कोलेस्ट्रॉल लेवल कंट्रोल - कोलेस्ट्रॉल बढ़ जाने से दिल से जुड़ी बीमारियां इंसान को जल्दी घेर लेती हैं। इससे राहत पाने के लिए अपनी डाइट में नारियल पानी को जरूर शामिल करें। फैट फ्री होने के कारण यह जल्दी कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करता है।

4.दिल की बीमारियों से राहत - नारियल पानी का सेवन करने से दिल के रोगों से बचाव रहता है।

5. ब्लड प्रैशर कंट्रोल - इसे पीने से हारपरटेंशन की परेशानी नहीं होती, जिससे ब्लड प्रैशर नियंत्रण में रहता है।

6. हैंगओवर उतारे - हैंगओवर से उतारने के लिए नारियल पानी बेस्ट ऑपशन है। इसमें मौजूद लेक्ट्रोलाइट पोटेशियम हैंगओवर के दौरान शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी को पूरा करने में मदद करता है।

7. सिर दर्द से छुटकारा - सिर दर्द और माइग्रेन के दर्द से राहत पाने में भी नारियल पानी बैस्ट है। इसमें मौजूद मैग्नीशियम दर्द के राहत दिलाने का काम करता है।

8. प्रेग्नेंसी में लाभकारी - नारियल पानी पोषक तत्वों और प्राकृतिक लवण से युक्त पेय पदार्थ है। गर्भवती महिला के पोषण से जुड़ी कई जरूरतों को पूरा करने में यह बहुत लाभकारी है। इससे कब्ज,यूरिन इंफैक्शन, जी मिचलाने आदि की कई परेशानियां दूर होती है।

9. प्रतिरोधक क्षमता मजबूत - नेचुरल पोषक तत्वों से भरपूर नारियल पानी प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने में मददगार है।

10. पानी की कमी पूरी - शरीर में पानी की कमी को पूरा करने में भी नारियल पानी बैस्ट है। कोल्ड ड्रिंक या किसी एनर्जी ड्रिंक की बजाए नारियल पानी का सेवन करें।

ब्यूटी प्रॉडक्ट्स से नहीं, गुलाब जल से पाएं बेदाग खूबसूरती

गुलाब जल का इस्तेमाल ज्यादातर लोग खूबसूरती को निखारने के लिए करते हैं। कुछ दिनों तक लगातार इसको लगाने से कई सारी ब्यूटी प्रॉब्लम्स दूर होती हैं। यह चेहरे को खिला-खिला दिखाने के साथ ही गालो को पिंक भी बनाता है।

1. झुर्रियां दूर करें - रोजाना रात को सोने से पहले चेहरे पर गुलाब जल लगाएं। कुछ दिनों तक ऐसा करने से स्किन टाइट होने लगेगी और आपकी झुर्रियों की समस्या दूर हो जाएगी।

2. चेहरे का कालपन मिटाएं
चेहरे का कालपन दूर करने के लिए रात को सोने से पहले गुलाब जल में नींबू के रस की कुछ बूंदें मिलाकर चेहरे पर लगाएं। लागातर ऐसा करने से कालापन कम हो जाएगा।

3. सॉफ्ट स्किन
गुलाब जल में बादाम का पेस्ट मिलाकर चेहरे पर लगाएं। इस पैक को लगाने से त्वचा का रूखापन दूर होगा और स्किन सॉफ्ट बनेगी।

4. पोर्स बंद करे
खुले पोर्स को बंद करने के लिए गुलाब जल लगाएं। इसको लगाने से ठंडी-ठंडी ताजगी तो मिलेगी और चेहरे के पोर्स भी धीरे-धीरे बंद होने लगेंगे।

5. मुलायम होंठ
होंठों को मुलायम बनाने के लिए गुलाब जल लगाएं। आप चाहें तो गुलाब की ताजी पत्तियों में थोड़ा सा दूध मिलाकर भी लिप्स पर लगा सकती हैं।

6. सॉफ्ट हेयर
रात को सोने से पहले गुलाब जल के साथ बालों की मसाज करें। सुबह बाल धो लें। इससे बाल सॉफ्ट और लंबे होंगे।

7. आंखों के लिए वरदान
आंखों में एक या दो बून्द गुलाब जल की डालें। ऐसा करने से आंखों को नमी मिलेगी और जलन से भी राहत मिलेगी।

8. मुंहासों से राहत
मुंहासों से छुटकारा पाने के लिए संतरे के छिलकों का पाऊडर बना लें। फिर इस पाउडर में गुलाब जल मिलाकर लगाएं। लगातार इस पेस्ट का इस्तेमाल करने से कुछ ही दिनों में चेहरा बेदाग होगा।

9. काले घेरों से छुटकारा
आंखों के नीचे पड़ें काले घेरों से छुटकारा पाने के लिए गुलाब जल को रूई में डुबोकर चेहरे पर 10 मिनट तक लगाएं।

10. घाव की जलन मिटाए
हाथ या पैर जल गया है तो उसकी जलन मिटाने के लिए गुलाब जल का इस्तेमाल करें। जली हुई त्वचा पर गुलाब जल लगाने से ठंडक महसूस होगी।

डार्क सर्कल और सांवलेपन से मिलेगा छुटकारा

सेब खाना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। मगर क्या आप जानते हैं कि सेब त्वचा के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। जी हां, सेब का सही तरीके से इस्तेमाल करने पर आप दाग धब्बों, डार्क सर्कल और झुर्रियों जैसी समस्याओं से छुटकारा पा सकते हैं। इसके अलावा इसका फेस पैक बना कर लगाने से आप सांवलेपन से भी छुटकारा पा सकते है।

यूं करें सेब का इस्तेमाल

सबसे पहले चेहरे को फेशवॉश से साफ कर लें। फिर सेब का एक टुकड़ा लेकर उसे 5 मिनट तक चेहरे पर रगड़ें और 15-20 मिनट के लिए छोड़ दें। जब चेहरा सूख जाए तो इसे पानी से साफ कर लें। रोजाना ऐसा करने से आपको कुछ समय में ही फर्क दिखाई देने लगेगा।

सेब के ब्यूटी बेनिफिट्स

1. ग्लोइंग स्किन - रोज सेब को चेहरे पर रगड़ने से त्वचा पर नैचुरल ग्लो आएगा। इसे साथ ही इससे त्वचा स्वस्थ, मुलायम और चमकदार भी बनेगी।

2. दाग-धब्बों से छुटकारा - पिंपल्स, मु-हांसे और दाग धब्बों को दूर करने के लिए भी सेब का यह नुस्खा बेहद फायदेमंद है। इसके अलावा इससे आपको इस्टेंट निखार भी मिलेगा।

3. सांवलापन - सेब मास्क बनाने के लिए सबसे पहले आप सेब को कद्दूकस कर लें। अब इसमें एक चम्मच दही और एक चम्मच नींबू का जूस मिलाएं। इसे अचछी तरह से मिलाने के बाद 15 मिनट तक चेहरे पर लगा लें। 15 मिनट बाद चेहरे को ठंडे पानी से धों लें।

4. डेड स्किन - सेब में विटामिन ए, विटामिन बी, विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट जैसे कई गुण होते हैं, जो स्किन को साफ करने में मदद करते हैं। इसे चेहरे पर रगड़ने से आपकी डेड स्किन निकल जाएगी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

New Beginnings New Memories
New Home

i-stay BY STARWING
Marol Andheri East

STUDIO HOME
Fully Furnished
₹59.95 LACS*

1-BHK HOME
Semi Furnished
₹1.25 CRS*

DUSSEHRA OFFER
₹2 Lacs Discount
to Empower Women

Strategic Partner:
KESHAV ESTATE CONSULTANT
SINCE : 1990
RERA NO : A51700045892

keshavestate@gmail.com

CONTACT
9820961360
9967119955
9820441545

RERA NO: A51700045892